स्त्री अध्ययन विभाग

संस्कृति विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा- 442005 (महाराष्ट्र) भारत

शोध विषय :-

दिनाँक-10/06/2016

शोधार्थी का नाम – विनीता यादव

साक्षात्कार के लिए चयनित सदस्य

व्यवसाय –

साक्षात्कार का स्थान

प्रश्न1- इतिहास लेखन क्या है, इसकी प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?तथा इसमे जेंडर को किस रूप में दिखाया गया है?

प्रश्न2- इतिहासलेखन का वर्गीय और जातीय स्वरूप क्या है? और इतिहासलेखन में महिलाओं की सक्या भूमिका है उनको कितना स्थान दिया गया है?

प्रश्न3- इतिहासलेखन में मुगलकालीन महिलाओं को किस रूप में दिखाया गया है उनकी स्थिति और भूमिका क्या है?

प्रश्न4- ऐसा माना जाता है कि मुगल काल बेगमों का काल था लेकिन फिर भी इतिहास में मुगल महिला शासिकाओं को अत्यंत सीमित स्थान दिया गया है वो भी कुछ को ही, ऐसा क्यों?

प्रश्न5- नूरजहाँ के अलावा कई मुस्लिम महिला शासिकाए थीं, जैसे मुमताज़महल आदि लेकिन इतिहास में उन्हे अनदेखा क्यो किया गया? और पुरुष शासकों की तुलना में नूरजहां को भी अत्यंत कम स्थान दिया गया है जबकि नूरजहां नें भी लंबे समय तक शासन किया था, शासन और प्रशासन के स्तर और अन्य विविध स्तरों पर सुधार और बदलाव लायी थी फिर भी इतिहासकारों नें उसकी भूमिका पर कम ही लिखा है ,ऐसा क्यों?

प्रश्न 6- एक महिला और एक शासिका के तौर पर नूरजहां द्वारा निभाई गयी भूमिका को आप किस प्रकार से देखते हैं।

प्रश्न7- अपने आप को स्थापित करने के लिए नूरजहां को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, पित्रसत्तामक मूल्यों और पित्रसत्ता मक व्यसवस्था का सामना नूरजहां नें कैसे किया? क्या इतिहासलेखन भी पित्रसत्तामक मूल्यों और पित्रसत्तामक व्यवस्था से प्रभावित होता है

प्रश्न8- मुगलकाल में तमाम ऐसी प्रथाएँ थी जैसे पर्दा प्रथा, बहुविवाह आदि जिसका महिलाओं पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता था, इतिहासकारों नें इस बारे में क्या विचार दिये हैं?

प्रश्न 10- कुछ इतिहासकार नूरजहां पर गुटीय राजनीति करने और गुटीय राजनीति फैलाने का आरोप लगाते हैं आपके नजर में नूरजहां और गुटीय राजनीति की क्या भूमिका थी?

प्रश्न12- इतिहास में वर्गीय और जातीय भूमिका को लेकर कई बार इतिहास के पुनरलेखन की मांग की जाती रही है और बहुत सारे लोग मानते भी है कि समग्र इतिहास के लिए इतिहास के इतिहास का पुनरलेखन जरूरी है। क्या कभी इतिहास में महिलाओं की स्थिति और भूमिका को लेकर इतिहास के पुनरलेखन की मांग उठी है?